# पार्श्वनाथ जैसा कोई तपधारी रे | By Pooja Srivastava

पार्श्वनाथ जैसा न कोई तपधारी रे
कोई तपधारी रे न कोई तपधारी रे
पार्श्वनाथ जैसा न कोई व्रतधारी रे
पार्श्वनाथ जैसा ।।।।

कर्म शत्रु जब तुमसे हारा
तुमने ही किया जग का निस्तारा रे
पार्श्वनाथ जैसा न कोई तपधारी रे
पार्श्वनाथ जैसा।।।।।

नवकार मंत्र जब तुमने सुनाया
नाग और नागिन की किया सुखहारी रे
पार्श्वनाथ जैसा न कोई तपधारी रे
पार्श्वनाथ जैसा।।।।।

काशी के तुम स्वामी जी कहाय
अपने मन इच्छा से करे फलहारी रे
पार्श्वनाथ जैसा न कोई तपधारी रे
पार्श्वनाथ जैसा।।।।।

पार्श्वनाथ जैसा न कोई तपधारी रे
कोई तपधारी रे न कोई तपधारी रे
पार्श्वनाथ जैसा न कोई व्रतधारी रे
पार्श्वनाथ जैसा ।।।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%9c%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%8b%e0%a4%88-%e0%a4%a4%e0%a4%aa%e0%a4%a7%e0%a4%be/